No. of Printed Pages : 4 **BPY-010**

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

ELLECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-010 : EPISTEMOLOGY

Time : 3 Hours] *[Maximum Marks : 100*

Note: Answer all the five questions. All questions carry equal marks. Answer to question No. 1 and 2 should be in about 400 words each.

1. Give an account of the scope and significance of epistemology. 20

Or

Examine foundationalism and coherentism as two forms of epistemic justification. 20

2. Bring out the significance of Sabda as a valid pramana in Indian Philosophy. 20

Or

Examine the function of the human kind in acquiting knowledge. 20

3. Answer any two of the following questions in about 200 words each:

   (a) Explain revolt against mirroring mind with reference to postmodernism. 10

(b) Discuss the status of inference as a source of knowledge. 10

(c) Discuss briefly the metaphysical method of Acquinas in deriving knowledge. 10

(d) Explain briefly rationalism and empiricism and their synthesis in Kant. 10

4. Answer any four of the following questions in about 150 words each:

(a) Describe the place of skepticism in epistemology. 5

(b) Describe correspondence theory of truth. 5

(c) Give brief account of Aristotle's theory of substance. 5

(d) Briefly discuss the empiricism of Hume. 5

(e) What is naturalised epistemology? 5

(f) State the Nyaya views on inference. 5

5. Write short notes on any five of the following in about 100 words each:

(a) Phenomenology 4

(b) Semantic theory 4

(c) Savikalpa pratyaksha 4

(d) Deduction 4

(e) Sphota 4

(f) Certitude 4

(g) Apriori knowledge 4

(h) Feminism 4

—x—

बी.पी.वाई.-010

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.-010 : ज्ञानमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोटः सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक पर लगभग 400 शब्दों में उत्तर दीजिए।

1. ज्ञानमीमांसा के विषय-क्षेत्र एवं महत्त्व की विस्तार से व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

आधारभूतवाद और संगततावाद (Coherentism) का ज्ञानात्मक प्रमाणीकरण के दो रूपों के रूप में परीक्षण कीजिए। 20

2. भारतीय दर्शन में एक वैध प्रमाण के रूप में शब्द प्रमाण के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

ज्ञान प्राप्ती की प्रक्रिया में मानव-मन के कार्य का परीक्षण कीजिए। 20

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

(क) उत्तर आधुनिकतावाद के सन्दर्भ में प्रतिवर्तित (Mirroring) मन के विरुद्ध विद्रोह की व्याख्या कीजिए। 10

(ख) ज्ञान के साधन के रूप में अनुमान की स्थिति पर चर्चा कीजिए। 10

(ग) ज्ञान प्रस्तुति में एक्वीनास की तत्त्व मीमांसीय पद्धति पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10

(घ) बुद्धिवाद और अनुभववाद तथा कांट में इनके संश्लेषण की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 10

4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

(क) ज्ञानमीमांसा में संदेहवाद की स्थिति का वर्णन कीजिए। 5

(ख) सत्य के संवादिता सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। 5

(ग) अरस्तु के द्रव्य सिद्धान्त का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 5

(घ) ह्यूम के अनुभववाद पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

(ङ) प्रकृतिकृत ज्ञानमीमांसा क्या है? 5

(च) अनुमान सम्बन्धी न्याय के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। 5

5. किन्हीं पाँच प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

(क) संवृत्तिशास्त्र 4

(ख) अर्थ-सिद्धान्त 4

(ग) सविकल्प प्रत्यक्ष 4

(घ) निगमन 4

(ङ) स्फोट 4

(च) निश्चितता 4

(छ) पूर्वानुभविक ज्ञान 4

(ज) स्त्रीवाद 4

—x—